अभ्यास : प्रश्न तथा उनके उत्तर

1. अपने आस पड़ोस से समानता और असमानता दर्शाने वाले किन्हीं तीन व्यवहारों का उल्लेख करें।

समानता के व्यवहार

1. ..... 2. ..... 3. .....

असमानता के व्यवहार

1. ..... 2. ..... 3. .....

उत्तर—समानता के व्यवहार—

(i) मतदान।

(ii) एक ही स्कूल में विभिन्न संप्रदाय से आए बच्चों का एक साथ पढ़ना।

(iii) किसी जगह सभी जातियों के लोगों का एक साथ काम करना।

असमानता के व्यवहार—

(i) घर में नौकरों के साथ किया गया दुर्व्यवहार।

(ii) नौकरी के आवेदनों में किसी खास वर्ग के लोगों को प्रधानता देना।

(iii) दलितों के साथ छुआ-छूत का व्यवहार।

2. क्या आपने कभी किसी के साथ असमान व्यवहार किया है ? यदि हाँ तो कब और क्यों ?

उत्तर—नहीं, मैंने कभी किसी के साथ असमान व्यवहार नहीं किया है। हम सभी बच्चे स्कूल में बैठकर एक साथ अपना लंच करते हैं, एक साथ खेलते हैं, एक साथ एक ही छत के नीचे बैठकर पढ़ाई करते हैं। पर उस वक्त हम यही नहीं सोचते कि हमारी जातियाँ अलग है। क्योंकि जात-पात भगवान द्वारा नहीं, हम इंसानों

के द्वारा बनाया गया है और कोई भी इंसान अपने जाति से नहीं अपने कर्मों से बड़ा बनता है।

3. क्या आपको किसी के व्यवहार से ठेस पहुँची है ?

उत्तर—हाँ, मैं एक बार अपने एक रिश्तेदार के घर किसी समारोह में शामिल होने गयी थीं। वे लोग आर्थिक रूप से काफी संपन्न थे, पर हमारा परिवार एक साधारण परिवार है। उनके घर जाने पर मुझे ऐसा महसूस हुआ कि उनका व्यवहार हमारे लिए वैसा नहीं था, जैसा अन्य लोगों के साथ था। वे लोग हमारे साथ एक औपचारिकतापूर्ण व्यवहार निभा रहे थे। हमारे लिए उनके व्यवहार में अपनापन नहीं था। उनके इस व्यवहार से मुझे बहुत ठेस पहुँची।

4. यदि आप रोजा पार्क्स की जगह दक्षिण अफ्रिका में रहते तो क्या करते ?

उत्तर—अगर मैं रोजा पार्क्स की जगह होती तो वही करती जो पार्क्स ने किया था। क्योंकि श्वेत और अश्वेत लोगों में फर्क करना गलत है। कोई इन्सान काला और गोरा खुद से नहीं बनता, यह भगवान का दिया हुआ रंग-रूप होता है। फिर इस रंग-रूप को लेकर इंसानों के बीच भेद-भाव क्यों होता है। मैं भी रोजा पार्क्स की तरह अपनी जगह उस श्वेत व्यक्ति को नहीं देती क्योंकि जिस तरह से वह व्यक्ति काम करके थका था उसी तरह रोजा पार्क्स भी काम करके थकी हुई थी और फिर वह बस में चढ़ी भी पहले थी।

5. क्या कभी आपने पंक्ति में खड़े लोगों से बाद में आने के बावजूद आगे होने का प्रयास किया है ? यदि हाँ तो क्यों ?

उत्तर—नहीं, मैंने बाद में आने के बावजूद पंक्ति में आगे खड़े होने की कोशिश नहीं की है। क्योंकि यह गलत होता है, जो लोग हमसे पहले से पंक्ति में खड़े हैं, उनका काम पहले होना चाहिए। हो सकता किसी व्यक्ति के लिए कोई काम कराना बहुत जरूरी हो पर हमारे बीच में आ जाने से उनका काम देर से हो और उन्हें कुछ नुकसान हो जाए।

6. असमानता के कई रूप हैं। यह कैसे कह सकते हैं ?

उत्तर—असमानता के कई रूप होते हैं, समाज में हम इन्हें विभिन्न रूपों में देखते हैं जैसे—

(i) विवाह के संदर्भ में दिए गए विज्ञापनों में जाति प्रधानता का प्रमुख होना।

(ii) किसी नौकरी के आवेदन में किसी खास वर्ग को प्रधानता देना।

(iii) अमीर घर के बच्चों के द्वारा गरीब बच्चों के साथ किया गया व्यवहार।

(iv) दलितों के साथ किया गया छुआ-छूत का भेदभाव।

(v) उच्च जाति वाले का निम्न जाति वालों के साथ किया गया व्यवहार।

(vi) निम्न जाति वालों के लिए किया गया आरक्षण की माँग।